

मेरुदंड पुं. (तत्.) 1. रीढ़ 2. एक से दूसरे ध्रुव को जाने वाली कल्पित सरल रेखा ला.अर्थ. किसी बात या तथ्य का मुख्य आधार, धुरी।

मेरु-दंडी वि. (तत्.) रीढ़ वाला (प्राणी/जीव)।

मेरु-देवी स्त्री. (तत्.) ऋषभ देव की माता।

मेरु-पृष्ठ पुं. (तत्.) आकाश।

मेरु-यंत्र पुं. (तत्.) तकुवे की आकृति का चक्र, चरखा।

मेरु-रज्जु स्त्री. (तत्.) गर्दन से कमर तक रीढ़ के अंदर से जाने वाली एक मोटी नस।

मेरु-शिखर पुं. (तत्.) मेरुपर्वत की चोटी, (हठयोग) सहस्रार चक्र।

मेल पुं. (तत्.) 1. मिलन, मिलाप 2. मित्रता 3. अनुकूलता 4. संगति 5. मिलाकर 6. जोड़ 7. संयोग 8. किसी वस्तु में अन्य वस्तु का मिला होना।

मेल स्त्री. (अं.) 1. डाक 2. डाक से भेजी जाने वाली चिट्ठियाँ आदि 3. डाकगाड़ी 4. रेलगाड़ी का एक विशेष रूप।

मेलक पुं. (तत्.) 1. मिलन 2. संग 3. मेला 4. विवाह से संबंधित ग्रह आदि का मिलान।

मेलगर पुं. (तद्.) 1. एकत्रित जन समूह 2. भीड़ 3. मेला।

मेल-जोल पुं. (देश.) 1. लोगों का परस्पर मिलते-जुलते रहने का भाव 2. प्रीति संबंध 3. घनिष्ठता 4. दो पक्षों में आत्मीयतापूर्ण संबंध।

मेलन पुं. (तत्.) 1. एक साथ होने का भाव 2. मिलन 3. मिलाना 4. मिलावट 5. आदमियों का जमावड़ा 6. मुठभेड़।

मेलना स.क्रि. (तत्.) 1. मिलान करना 2. किसी चीज को मिश्रित करना, मिलाना 3. उँडेलना 4. किसी चीज को पहनाना जैसे- मेली कंठ की सुमन की माला 5. फेंकना 6. ढकेलना।

मेल-मिलाप पुं. (तत्.+तद्.) 1. आपसी मेल-जोल 2. रुष्ट या विरुद्ध जनों या पक्षों में होने वाला मिलन या मेल।

मेला पुं. (तद्.) 1. किसी पर्व या उत्सव आदि के अवसर पर किसी नियत स्थान पर होने वाला लोगों का सोत्साह जमाव जैसे- दशहरा-मेला 2. पशुओं के क्रय-विक्रय हेतु किसी स्थान पर होने वाला जमाव।

मेला-ठेला पुं. (देश.) किसी सार्वजनिक या किसी विशेष स्थान पर होने वाली लोगों की धक्का-मुक्की युक्त भीड़ भाड़, मेला।

मेलान पुं. (देश.) 1. मंजिल, पड़ाव 2. डेरा डालना।

मेलाना स.क्रि. (देश.) 1. मेलना क्रिया का प्रेरणार्थक रूप-में लाना 2. मेलने का काम दूसरे से करवाना 3. गहन या रेहन रखी हुई वस्तु को छुड़ाना।

मेलापक वि. (तत्.) 1. मिलाने वाला 2. इकट्ठा करने वाला 2. ग्रहों का संयोग 3. भीड़भाड़, जमाव।

मेलायन पुं. (तत्.) 1. मिलना 2. संयोग 3. समागम।

मेली वि. (देश.) 1. अधिक लोगों से हेल-मेल रखने वाला 2. मिलनसार पुं. मित्र, संगी।

मेलहना अ.क्रि. (देश.) 1. कष्ट या पीड़ा से बार-बार करवट लेना, छटपटाना 2. किसी काम में आनाकानी करते हुए समय बिताना।

मेव पुं. (देश.) 1. राजस्थान के मेवात क्षेत्र में रहने वाली एक लड़ाकू जाति या उस जाति का व्यक्ति।

मेवड़ी स्त्री. (देश.) 1. निर्गुंडी, सँभालू।

मेवा पुं. (फा.) 1. खाने के एक विशेष प्रकार के स्वादिष्ट सूखे फल जैसे- बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश आदि 2. बहुमूल्य पदार्थ 3. गुजरात में होने वाला एक प्रकार का गन्ना।

मेवाटी स्त्री. (देश.) बेसन से बनी एक प्रकार की मिठाई जिसमें बादाम, किशमिश आदि भी भरे होते हैं, मेवावाटी।

मेवाड़ पुं. (देश.) 1. राजस्थान का एक प्रसिद्ध व ऐतिहासिक भूभाग जो मध्यकाल में मुगलों के अधीन नहीं हो सका था, महाराणा प्रताप यहीं के